

**### #####**

**Bob Harman  
The BibleTime Team**

---

### ### #####

by Bob Harman and The BibleTime Team

Copyright © 1999-2016 The BibleTime Team (bt-devel@crosswire.org)

### #####

"### #####" - ### ##### # ##### #.

It is the hope of the BibleTime team that this HowTo will provoke the readers to study the scriptures to see what they say. This particular study guide has been chosen as it takes care not to advocate any particular denominational doctrine. We recommend you to read and study the scriptures to understand what they say. If you start with the attitude that you want to have the Lord sow his word in your heart He will not disappoint you.

This document was originally created by Mr. Bob Harman and is licensed under the terms of the license "Creative Commons Attribution-Share Alike" [<http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/>].

##### ## ##### ##### # ##### #, #### ## #.

---

# Table of Contents

|    |              |        |       |         |       |       |       |       |       |       |       |       |    |
|----|--------------|--------|-------|---------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|----|
| 1. | #####        | #####  | ..... | 1       |       |       |       |       |       |       |       |       |    |
|    | #####        | #####  | ..... | 1       |       |       |       |       |       |       |       |       |    |
|    | #####, ##### | #####  | ..... | 1       |       |       |       |       |       |       |       |       |    |
|    | #####        | #####  | ..... | 2       |       |       |       |       |       |       |       |       |    |
|    | #####, ##### | #####  | ..... | 3       |       |       |       |       |       |       |       |       |    |
|    | #####, ##### | #####  | ..... | 3       |       |       |       |       |       |       |       |       |    |
|    | #####        |        | ..... | 3       |       |       |       |       |       |       |       |       |    |
|    | #####:       | "##### | ###   | ####"   | ..... | 3     |       |       |       |       |       |       |    |
|    | #####:       | #####  | ##### | #####   | ..... | 4     |       |       |       |       |       |       |    |
| 2. | #####        | #####  | ..... | 5       |       |       |       |       |       |       |       |       |    |
|    | ####, #      | #####  | ##    | #####   | #     | ##### | ##### | ..... | 5     |       |       |       |    |
|    | #####        | #      | ##### | #####   | ..... | 5     |       |       |       |       |       |       |    |
|    | #####        |        | ..... | 5       |       |       |       |       |       |       |       |       |    |
|    | #####        |        | ..... | 5       |       |       |       |       |       |       |       |       |    |
|    | #####        |        | ..... | 5       |       |       |       |       |       |       |       |       |    |
|    | #####        |        | ..... | 6       |       |       |       |       |       |       |       |       |    |
|    | ####         | #####  | ##### | .....   | 6     |       |       |       |       |       |       |       |    |
|    | #####        | #####  | ..... | 6       |       |       |       |       |       |       |       |       |    |
|    | #####        | #####  | ###   | .....   | 6     |       |       |       |       |       |       |       |    |
|    | #####        | #####  | ..... | 6       |       |       |       |       |       |       |       |       |    |
|    | #####        | #####  | ##### | .....   | 6     |       |       |       |       |       |       |       |    |
|    | #####        |        | ..... | 6       |       |       |       |       |       |       |       |       |    |
|    | #####        |        | ..... | 6       |       |       |       |       |       |       |       |       |    |
|    | #####        |        | ..... | 6       |       |       |       |       |       |       |       |       |    |
|    | #####        | #####  | ..... | 6       |       |       |       |       |       |       |       |       |    |
|    | #####        | ####:  | ###   | #####   | ##### | ..... | 7     |       |       |       |       |       |    |
|    | #####        | #####  | ##### | ####    | ..... | 7     |       |       |       |       |       |       |    |
|    | #####        | #####  | ##### | #####   | ..... | 7     |       |       |       |       |       |       |    |
|    | #####        | #####  | ##### | #####   | #     | ##### | ###   | ##### | ##### | ..... | 7     |       |    |
|    | #####        | #####  | ##### | ####    | ..... | 8     |       |       |       |       |       |       |    |
| 3. | #####        | #####  | ##### | (#####) | ..... | 9     |       |       |       |       |       |       |    |
|    | #####        | 1 -    | ##### | #       | ##### | #     | ##### | ##### | ####  | ..... | 9     |       |    |
|    | #####        | 1#     | ..... | 9       |       |       |       |       |       |       |       |       |    |
|    | Example 1B   | .....  | 10    |         |       |       |       |       |       |       |       |       |    |
|    | #####        | 2 -    | ##### | #       | ##### | ##### | ..... | 10    |       |       |       |       |    |
|    | #####        | 2#     | ..... | 11      |       |       |       |       |       |       |       |       |    |
|    | #####        | 2#     | ..... | 11      |       |       |       |       |       |       |       |       |    |
|    | #####        | 2#     | ..... | 11      |       |       |       |       |       |       |       |       |    |
|    | #####        | 3 -    | ##### | #       | ##### | #     | ##### | ##### | ..... | 11    |       |       |    |
|    | #####        | 3#     | ..... | 11      |       |       |       |       |       |       |       |       |    |
|    | #####        | 3#     | ..... | 11      |       |       |       |       |       |       |       |       |    |
|    | #####        | 4 -    | ##### | #       | ##### | #     | ##### | ##### | ####  | #     | ##### | ..... | 12 |
|    | #####        | 4#     | ..... | 12      |       |       |       |       |       |       |       |       |    |
|    | #####        | 4#     | ..... | 12      |       |       |       |       |       |       |       |       |    |
|    | #####        | 5 -    | ##### | #####   | ####  | ##### | #     | ##### | ##### | #     | ##### | ..... | 12 |
|    | #####        | 5#     | ..... | 12      |       |       |       |       |       |       |       |       |    |
|    | #####        | 5#     | ..... | 13      |       |       |       |       |       |       |       |       |    |

---

## List of Tables

|  |   |
|--|---|
| 1.1. ##### # ##### # ##### # ##### # ..... 1 | 1 |
| 1.2. ### #### # ##### # ##### #? ..... 2     | 2 |
| 1.3. ##### # ..... 3                         | 3 |

---

# Chapter 1. #####

Understanding God's word is of great importance to all who call on God's name. Study of the Bible is one of the primary ways that we learn to communicate with God.

## #####

#####. ##:

- popularity. Bible sales in North America: more than \$500 million per year. The Bible is both the all-time and year-to-year best seller!
- authorship. It was written over a period of 1600 years by 40 different authors from different backgrounds, yet reads as if written by one.
- preservation. F. F. Bruce in *Are New Testament Documents Reliable?* compares New Testament manuscripts with other ancient texts:

**Table 1.1. ##### # #####.**

| ####                      | #####                      | #####  | #####        | #####                       |
|---------------------------|----------------------------|--|--------------|-----------------------------|
| #####                     | 448-428 #.#. ## #.#.       | 900 #.#.                                     | 1300 ###     | 8                           |
| #####                     | 100 #.#.                   | 1100 #.#.                                    | 1000 ###     | 20                          |
| #####<br>"#####"<br>##### | 50-58 #.#. ## #.#.         | 900 #.#.                                     | 950 ###      | 10                          |
| ##### "#####"<br>#####    | 59 #.#. ## #.#. - 17 #.#.  | 900 #.#.                                     | 900 ###      | 20                          |
| #####                     | 40 #.#. ## #.#. - 100 #.#. | 130 #.#.<br>#####<br>##### 350 #.#.<br>##### | 30 - 310 ### | 5000 ##### #<br>10000 ##### |

Ten copies of Caesar's *Gallic War* exist, the earliest of which was copied 900 years after Caesar wrote the original, etc. For the New Testament we have full manuscripts dating to 350 A. D., papyri containing most of the New Testament from the 200s, and a fragment of John's gospel from 130 A. D. How many manuscripts do we have to compare to each other? 5,000 in Greek and 10,000 in Latin!

"## ##### # ##### #####  
##### # ##### #####  
#####."

—Textual critic F. J. A. Hort, "The New Testament in the Original Greek", vol. 1  
p561, Macmillan Co., quoted in *Questions of Lifep*. 25-26

## #####

*Heb.4:12 "For the word of God is living and active..." Jesus said (Mt.4:4)," It is written, Man shall not live on bread alone, but on every word that proceeds [lit., is proceeding] from the mouth of God."* As we read the Bible, God's Spirit is there to speak it to our hearts in a continually-fresh way.

2 Tim.3:16 declares, " *All scripture is inspired by God [lit., God-breathed].*" Do you believe this? Before you answer, consider Jesus' attitude toward the Scriptures.

He referred to the human authors, but took it for granted that behind them all was a single divine Author. He could equally say 'Moses said' or 'God said' (Mk.7:10). He could quote a comment of the narrator in Genesis 2:24 as an utterance of the Creator Himself (Mt.19:4-5). Similarly He said, 'Well did Isaiah prophesy of you hypocrites, as it is written', when what He went on to quote is the direct speech of the Lord God (Mk.7:6 & Is.29:13). It is from Jesus Himself that the New Testament authors have gained their conviction of the dual authorship of Scripture. For them it was just as true to say that 'God spoke of old to our fathers by the prophets' (Heb.1:1) as it was to say that 'men moved by the Holy Spirit spoke from God' (2 Pe.1:21). God did not speak in such a way as to obliterate the personality of the human authors, nor did men speak in such a way as to corrupt the Word of the divine Author. God spoke. Men spoke. Neither truth must be allowed to detract from the other. ...

This, then, was Christ's view of the Scriptures. Their witness was God's witness. The testimony of the Bible is the testimony of God. And the chief reason why the Christian believes in the divine origin of the Bible is that Jesus Christ Himself taught it.

—##### (John R.W. Stott), ##### - ##### (*Christ the Controversialist*), InterVarsity Press 1978, ###.93-95

2 Tim.3:16 goes on, " *and profitable for teaching, for correction, for training in righteousness, that the man of God may be adequate, equipped for every good work.*" If we accept that the Bible really is God speaking to us, it follows that it will be our authority in all matters of faith and conduct.

## #####

What will studying the Bible do for you? 1 Thess.2:13 says that the Bible " *performs its work in you who believe.*" Beside each scripture, write down the work the Word performs.

**Table 1.2. #####?**

| #####       | #####  |
|-------------|--|
| ##.5:26     | ##### -- "...##### ##, ##### #####<br>#####  |
| ####.20:32  | builds up -- " ...the word of His grace, which is<br>able to build you up and to give you the inheritance<br>among all those who are sanctified. " |
| ###.15:4    | ##### -- "##### # ##### #<br>#####   |
| ###.10:17   | #### #### -- "#### # #####, #<br>## #####  |
| 1 ###.10:11 | ##### -- "### # ##### # ####, ###<br>#####; # ##### # #####<br>#####   |
| ###.4:4     | ##### -- "## # ##### # #####: #####:<br>## ##### # ##### # #####, ## #####<br>#####, ##### # # #####   |

## #####

Jn.8:32 "and you shall know the truth, and the truth shall make you free." This is usually quoted by itself. Is this a conditional or unconditional promise? Would it apply to all kinds of knowledge? Find the answers by examining the first half of the sentence, in v.31. "If you abide in My word, then you are truly disciples of Mine..."

We see that this is a conditional promise, specifically speaking of the truth of God's word.

The Greek word for "wind" used in Eph.4:14 means a *violent wind*. "As a result, we are no longer to be children, tossed here and there by waves, and carried about by every wind of doctrine..." One thing studying the Bible does for us is to ground us in the truth, with the result that we won't be easily "blown away."

But Jesus answered and said to them, "You are mistaken [KJV Ye do err], not understanding the Scriptures, or the power of God." Mt.22:29

##### 2 #####

- #####
- #####

## #####

# #.6:10-18 #####

Table 1.3. #####

| #####          | #####                 |
|----------------|-----------------------|
| ##### ## ##### | 5                     |
| #####?         |                       |
| #####?         | One                   |
| #####?         | ##### - ##### (rhema) |

## #####

2 Tim.2:15 (KJV) "Study to show thyself approved unto God, a workman that needeth not to be ashamed, rightly dividing the word of truth."

Col.3:16 "Let the word of Christ richly dwell within you; with all wisdom teaching and admonishing one another with psalms and hymns and spiritual songs, singing with thankfulness in your hearts to God."

#####

#####!

Eccl.12:11-12 "The words of wise men are like goads, and masters of these collections are like well-driven nails; they are given by one Shepherd. But beyond this, my son, be warned: the writing of many books is endless, and excessive devotion to books is wearying to the body."

## #####: "#####"

The truth regarding the finality of God's initiative in Christ is conveyed by one word of the Greek Testament, namely the adverb *hapaxand ephapax*. It is usually translated in



#####  
#####  
#####

—Jn.5:39-40

—#### #. #. ##### (John R.W. Stott), ##### - ##### (*Christ the Controversialist*), InterVarsity Press 1978, ###.97, 104.

## #####

##.1:2-3 “”## # ##### ##### ##, # # ##### ## ##### ## # ##! # ##### ## ##  
#####, ##### ## ## ##, ##### ##### ## ## ##, # #####  
## #####; # ## ##, ## ## ## ##, #####.””

The Navigators illustrate this by saying that as the thumb can touch all the fingers, we can meditate on the Word as we do any of the first four. Meditation is a key to revelation. A new Christian needs to hear and read the Bible more than they need to study and memorize it. This is so that they become familiar with the overall message of the Bible.

## #### #####

## #####

##### # ##### ##, ##### #####.

## #####

##### # #####, ##### # ##.37-50.

## #####

#####: #####, #####.

## #####

## #####

## #? ## ## ## ##? ##### ## ##. ##  
##### # ##, # ## ## ##.

## #####

What do the verses around it say? "Context is king" is the rule -- the passage must make sense within the structure of the entire passage and book.

## #####

## ##### ## ## ## ## ##? ## ## ##, #####  
##### ##### ## ## ##.

## #####

## 6:1-18

Let's study together Mt.6:1-18. Read it to yourself, first looking for the key verse, the verse that sums up the whole passage. Think you have it? Test it by picking different places in the passage and asking yourself if they relate to the thought of the key verse. Once you find it, write it as Roman numeral One of your outline:

I. Beware of practicing your righteousness before men to be noticed

What does "practicing your righteousness" mean? Does the passage give any examples? What area of our lives is being addressed? *Our motives!* What sub-headings develop this thought?

A. #####

B. #####

C. #####

##### # ##, ## #  
#####:

A. #####

a. ## #####. (##-## "#####")

b. #####.

c. #.#.

#####: #####

#####

1. #####.

2. #####.

3. #####.

#####:

1. "Faithful are the wounds of a friend"

2. "We are ambassadors of Christ."

3. #####.

#####

Let's say you wanted to do a study of the word "redemption." First you would look up that word in the concordance and look up references listed for it. Then you could look up related words and references listed for them, e.g. "redeem, redeemed, ransom," even "buy" or "bought."

#####

#####

What if you noticed a contradiction in the KJV between Mt.7:1 "Judge not lest you be judged" and 1 Cor.2:15 "He that is spiritual judgeth all things." Maybe there are two different Greek words here, both being translated "judge" in English? (We're using Strong's from here out.)

1. Look up "judge".

2. Go down the column of entries to Mt.7:1. To the right is a number, 2919. This refers to the Greek word used. Write it down.
3. Now look up "judgeth".
4. ##### # ##### 1 ###.2:15 . . . . . 350.
5. Turn in the back to the Greek dictionary. (Remember, you're in the NT so the language is Greek, while the OT is Hebrew.) Compare the meaning of 2919 with the meaning of 350 and you have your answer!

### #####

##### ## ##### ## ##### ##### ##### # ##### ## #####.

##### ## ##### # ##### ## #####:

- ##### (Nabal)
- ##### (Abigail)
- ##### ##### (Joshua)
- ##### (Barnabus)

---

## Chapter 3. ##### (#####)

We already learned about the "3 Cs": content, context, cross-reference. We want to expand that now by delving briefly into biblical hermeneutics, whose goal is to discover the meaning intended by the original author (and Author!). While many applications of a passage are valid, only one interpretation is valid. The scripture itself says this by saying that no scripture is of any private interpretation (2 Pe.1:20 KJV "Knowing this first, that no prophesy of scripture is of any private interpretation."). Certain rules are helps toward discovering the correct meaning; by ignoring these rules people have brought much trouble on themselves and their followers. 2 Pe.3:16 "...in which are some things hard to understand, which the untaught and unstable distort, as they do also the rest of the Scriptures, to their own destruction."

How do we go about discovering the intended meaning of a passage? Let's say your attention has been drawn to a particular verse whose meaning is not clear to you. How do you study it out? Keep these rules in mind:

### ##### 1 - ##### # ##### # #####.

The more precise we can be with the exact, original meaning of the words the better our interpretation will be. Try to find the exact meaning of the key words by following these steps:

1. **Definition.** Look up the definition in a Greek or Hebrew dictionary. For verbs, the verb tense is also crucial.
2. #####. Compare scripture with scripture. Seeing how the same Greek or Hebrew word (not the English word) is used in scripture may clarify or throw new light on the definition. How does the same author use this word elsewhere? Other authors? Your reference tools may give you uses of the word in non-biblical documents, as well. Why do we have to go to the original languages; why isn't the English word good enough? *Because more than one Greek word may be translated into the same English word, and the Greek words may have different shades of meaning.*

### ##### 1#

Jn.20:17 "Touch me not" (KJV) sounds harsh, doesn't it? Sounds like Jesus doesn't want to be touched now that He is risen, that He is too holy or something. But that doesn't seem right, so let's look it up in Spiros Zodhiates' *The Complete Word Study New Testament* (AMG Publishers, 1991).

Definition: Turning to John 20:17, above the word "Touch" we see "pim680." The letters give us a code for the part of speech, and the number refers to Strong's dictionary reference. Let's look up the definition (p. 879). "680. Haptomai; from hapto (681), touch. Refers to such handling of an object as to exert a modifying influence upon it... Distinguished from pselaphao (5584), which actually only means to touch the surface of something. " Now look up "pim." The grammar codes in Zodhiates come right after Revelation; on p. 849 we see that pim stands for "present imperative active (80)". On p.857, "Present Imperative. In the active voice, it may indicate a command to do something in the future which involves continuous or repeated action or, when it is negated, a command to stop doing something. " This is a negative command, so it is to stop doing something that is already occurring. So, what have we found?

*Mary is already clinging to Jesus, and he is saying to stop holding him!*

## Example 1B

In James 5:14, *Elders are told to pray and anoint someone who is sick*. What is this anointing?

Definition of aleipho (218) - "to oil" (Strong's); but we also have another Greek word translated "anoint", chrio (5548) - "to smear or rub with oil, i.e. to consecrate to an office or religious service" (Strong's). Since it's a verb, consider the tense also, "apta" aorist participle active. "The aorist participle expresses simple action, as opposed to continuous action...When its relationship to the main verb is temporal, it usually signifies action prior to that of the main verb." (Zodhiates p.851)

- ##### aleipho:

1. Mt.6:17 But you, when you fast, anoint your head
2. Mk.16:1 [the women] brought spices that they might come and anoint Him.
3. Mk.6:13 And they were...anointing with oil many sick people and healing them.
4. Lk.7:38 [...] kissing His feet and anointing them with the perfume
5. Jn.12:3 Mary [...] anointed the feet of Jesus, and wiped them with her hair

- ##### chrio:

1. Lk.4:18 "The Spirit of the Lord is upon me, because He has anointed me to preach [...]"
2. Acts 4:27 "#####"
3. Acts 10:38 "#####"
4. 2 Cor.1:21 "...#####"

##### aleipho # chrio? #####  
#####, # #####: "aleipho" # #####, #  
"chrio" - # #####

As an illustration (although the word is not used) of the practical use of oil at that time, when the good Samaritan cared for the man beat up by robbers he poured oil and wine in the wound. So oil had a medicinal use in Jesus' day.

Now let's apply what we just learned by this word study to James 5:14 *"Is any among you sick? Let him call for the elders of the church; and let them pray over him, anointing him with oil in the name of the Lord."* Is "anointing" spiritual or practical? Practical!

And the tense in Greek, the aorist participle, would be better translated "having anointed," so the order is the anointing first, then the prayer ("in the name of the Lord" refers to the prayer, not the anointing). James 5 is saying that the elders should give the sick person medicine and pray for him in the name of the Lord. Doesn't that express a beautiful balance of practical and spiritual in our God!

## ##### 2 - ##### #####

Interpret scripture in harmony with other scripture. What do the verses on each side say? What is the theme of the chapter? The book? Does your interpretation fit with these? If not, it is flawed. Usually, the context

supplies what we need to correctly interpret the passage. Context is key. If confusion remains as to the meaning after we have interpreted the text within its context, we have to look further.

## ##### 2#

In a previous lesson we considered Jn.3:5 "*born of water and the Spirit*." In context, what is the water under discussion here?

Water baptism is not under discussion here, which would be a big switch from the subject being discussed by Jesus and Nicodemus. Watch out for a sudden change of topic, it may be a clue that your interpretation has been derailed! The water is the amniotic fluid, "born of water" = natural birth.

## ##### 2#

1 Cor.14:34 "Let the women keep silent in the churches" has to be taken within the biblical context of 1 Cor.11:5 "every woman [...] while praying or prophesying [...]"

## ##### 2#

Acts 2:38 "And Peter said to them, 'Repent, and let each of you be baptized in the name of Jesus Christ for the forgiveness of your sins [...]'. Is this teaching baptismal regeneration? If this was the only verse of scripture we had, we would have to conclude that. But in the light of the clear teaching elsewhere that regeneration happens by faith in Christ, we have to interpret it otherwise. Peter is urging baptism as a way for his hearers to respond to the gospel. If baptism were the pathway to being born again, how could Paul write 1 Cor.1:17 "*For Christ did not send me to baptize, but to preach the gospel*"?

## ##### 3 - ##### # ##### # #####

At first we are not asking "What does it mean to me?" but "What did it mean to the original readers?"; later we can ask, "What does it mean to me?". We have to take into account the historical and cultural background of the author and the recipients.

## ##### 3#

"3 days & 3 nights" (Mt.12:40) have led some to come up with a "Wednesday crucifixion theory," esp. the cult of Armstrongism. How could Jesus die on Friday afternoon and rise Sunday morning yet "be raised on the third day" (Mt.16:21)? Exact meanings of "three" or "days" won't help explain the apparent contradiction.

We need an historical tidbit: Jews counted any part of a day as a full day, as we would count buckets of water (if there were six and one-half buckets of water, we would say there were 7 buckets of water even if one was only partly full). So to the Jewish mind, any part of a day counted as a full day, and days started at 6 p.m. and ended at 6 p.m. Friday from 3 p.m. to 6 p.m. = day 1. Friday 6 p.m. to Saturday 6 p.m. = day 2. Saturday 6 p.m. to Sunday 5 or so a.m. = day 3. Interpreting within the cultural context keeps us out of trouble.

## ##### 3#

Gen.15:7-21. The historical context is that cutting animals in two and then walking between the pieces was the normal way of entering a contract in Abraham's day. Both parties walked between, taking the pledge

that dismemberment would happen to them if they didn't live up to their part of the contract. But in this case only God goes thru, making it a unilateral covenant.

## ##### 4 - ##### # ##### # ##### ##### # #####

Let literal language be literal and figurative language be figurative. And watch out for idioms, which have special meanings.

### ##### 4#

“evil eye” in Mt.6:23.

Rule 1, definition of "evil" and "eye" - no help here. Rule 2, context: seems to confuse us even more. It doesn't seem to fit with what goes before and after! This should tip us off that we aren't understanding it rightly!!

What we have here is a Hebrew idiom, “evil eye”. Let's look up other uses of this idiom: Mt.20:15 " *Is it not lawful for me to do what I wish with what is my own? Or is your eye envious [lit. "evil"] because I am generous [lit. "good"]?*" We find that having an "evil eye" is a Hebrew idiom for being stingy or envious. Now go back to Mt.6 and notice how this understanding ties in so perfectly to the context.

### ##### 4#

Is.59:1 “#####,”

Deut.33:27 “#####.”

References to body parts of God are used by Latter-Day Saints to prove that God was once a man just as we are. Once they convince people of that, they go on to teach that we can become God just like He is! At a lecture he was giving, a group of Mormon elders challenged Walter Martin (author of *Kingdom of the Cults*) with an enumeration of verses like these. Dr. Martin then asked the Mormons to read one more scripture: Ps.91:4 “He will cover you with His feathers; And under His wings shalt thou trust”. W.M. said, “By the same rules of interpretation that you just proved God to be a man, you just proved that He is a bird”. The Mormons had to laugh as they realised the ridiculousness of their position.

## ##### 5 - ##### # ##### # ##### # ##### # #####

An allegory is: *A story where each element has a meaning.*

##### , ##### # # #?

Some parables are allegories, for instance, the parable of the sower is an allegory: the seed is the word of God, the thorns are worries and greed, etc. But most parables are not allegories but simply stories to illustrate one point. It's dangerous to get our doctrine from parables; they can be twisted to say all sorts of things. We need to get our doctrine from clear scriptures that lay it out; then if a parable illustrates that, fine.

### ##### 5#

The parable of the widow with the unrighteous judge in Lk.18:1-8. This story illustrates one lesson: boldness in prayer. If we draw it into an allegory, what do we have?

## #####: ## ##  
"#####" ##, # #.

## ##### 5#

The parable of the unrighteous steward in Lk.16:1-9. What is the point of the parable? Is it an allegory?

The steward is commended for only one thing, his shrewdness in using what he had to prepare for a time when he wouldn't have it. But he is not commended for his unethical behavior in cheating his master.